JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue
JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)
An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

"जनपद फिरोजाबाद के क्षेत्रीय विकास पर औद्योगिक अवस्थिति के प्रभाव का शूक्ष्म स्तरीय भौगोलिक अध्ययन"

शोधार्थीः
रूम सिंह
(असि0 प्रोफेसर)
भूगोल विभाग
ए0के0 कॉलेज शिकोहाबाद
फिरोजाबाद उ0प्र0

शोध निर्देशक :
प्रोफेसर **डॉ. मौकम सिंह यादव**
भूगोल विभाग
ए0के0 कॉलेज शिकोहाबाद
फिरोजाबाद उ0प्र0

भूमिकाः (Preface)

मानव एवं उद्योग का सनातनी सम्बन्ध रहा है। क्योंकि निश्चित तौर पर न तो यह कहा जा सकता है कि पृथ्वी पर मानव का अवतरण कब हुआ, और न ही उद्योग के प्रादुर्भाव की कोई निश्चित तिथि बतायी जा सकती है। परन्तु इतना अवश्य है कि यह पत्थर आदि के साधारण यंत्रों के विनिर्माण से प्रारंभ हुआ और आज वायुयान, रॉकेट उपग्रह, मिसाइल तथा विभिन्न प्रकार की विलासिता की वस्तुओं के उत्पादन तक पहुंच चुका है। इस प्रकार अनवरत रूप से प्रगतिशील सम्पूर्ण औद्योगिक प्रक्रिया ने आदिम मानव के पशुवत जीवन तथा आधुनिक सुसस्कृत मानव जीवन के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी का कार्य किया है।

वर्तमान में विकास उद्योगों का पर्याय बन गया है। आज किसी क्षेत्र या देश में तकनीकी दृष्टि से जितने अधिक उन्नत और महत्वपूर्ण उद्योगों की स्थापना हुई है, वह क्षेत्र या देश उतना ही अधिक सुख–सुविधा सम्पन्न हुआ है। इस प्रकार किसी क्षेत्र में उद्योगों की स्थापना एवं विकास में घनिष्ट सम्बन्ध पाया जाता है।

मुख्य शब्द (Keywords): उद्योग, शाश्वत विकास, विकास–ध्रुव (Growth-pole), केन्द्र–परिधि (centre - periphery), विनिर्माण, निष्कर्षण (Extraction) विसरण (Diffusion),

अध्ययन क्षेत्र का परिचय (Introduction to the Study Area)

जनपद फिरोजाबाद 2407 वर्ग किमी. क्षेत्रफल के साथ उत्तर–प्रदेश (भारत)। के पश्चिमी भाग में स्थित है। जिसकी जनसंख्या जनगणना 2011, के अनुसार 2496761 है। ज्यामितीय दृष्टि से यह 27°15' उत्तरी अक्षांश से 27°90' उत्तरी अक्षांश तक तथा 78°10' पूर्वी देशान्तर से 78°95' पूर्वी देशान्तर के बीच विस्तृत है। जनपद के उत्तर दिशा में जिला एटा, पूरव दिशा में मैनपुरी व इटावा एवं पश्चिम में आगरा तथा दक्षिण में यमुना नदी सीमा का निर्धारण करती है।

विधि तंत्र (Methodology):

शोथ सम्बन्धी किसी भी कार्य को पूर्ण करने में विधि तंत्र की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए विधि तंत्र के तहत शोध पत्र को पूर्णता प्रदान करने के लिए प्राथमिक एवं द्वितीयक समकों का संकलन किया गया है। प्राथमिक ऑकडे क्षेत्र भ्रमण द्वारा तथा द्वितीयक ऑकडों के संकलन के लिए समाचार पत्र, जिला सांख्यिकीय पत्रिका 2023, श्रम विभाग फिरोजाबाद से प्राप्त सूचनाओं एवं इन्टरनेट को आधार बनाया गया।

उद्देश्य (Objectives): किसी भी कार्य को करने से पूर्व उसके उद्‌देश्यों का निर्धारण करना अति आवश्यक होता है। क्यों कि उद्देश्यविहीन कार्य अपनी पूर्णता को प्राप्त नहीं होता है। इस लिए प्रस्तावित शोध पत्र के निम्नवत उद्‌देश्य निर्धारित किए गये है।

1– शोथ क्षेत्र के भौगोलिक परिदृश्य का सांगोपांग अध्ययन करना।

२– शोथ क्षेत्र में औद्योगिक अवस्थिति का वितरणात्मक अध्ययन प्रस्तुत करना।

3– विकास एवं उद्योगों के पारस्परिक सम्बन्ध को स्पष्ट करना।

4– औद्योगिक विकास से सम्वन्धित लाभ–हानि के प्रति प्रशासन एवं जनसमुदाय को जागरूक करना।

5. विकास को शाश्वत (Sustainable) स्वरूप प्रदान करने हेतु सुझाव समर्पित करना।

उद्योग का अर्थ (Meaning of the Industry):

उद्योग से तात्यपर्य कंपनियों या संगठनों के ऐसे समुह से है जो वस्तुओं एवं सेवाओं के उत्पादन में शामिल होते है। औद्योगिक क्रियाओं के अन्तर्गत निष्कर्षण, विनिर्माण तथा सेवा से सम्बन्धित सभी क्रियाओं को शामिल किया जाता है। अतः संक्षेप में उद्योग से तात्यपर्य ऐसी आर्थिक गतिविधि से है, जो वस्तुकों के उत्पादन खनिजों के निष्कर्षण (Extraction) तथा सेवाओं के प्रबन्धन से सम्बन्धित होती है।

उद्योग एक ऐसी आर्थिक गतिविधि है जो कम भूमि में अधिक लोगों का भरण–पोषण करती है। साथ ही औद्योगिक क्षेत्र रोजगार के एक बडे भाग का सृजन करता है। विश्व बैंक के अनुसार वर्ष 2022 में विश्व की 29.7 प्रतिशत जनसंख्या कृषि क्षेत्र में, 31.0 प्रतिशत जनसंख्या औद्योगिक क्षेत्र में तथा 39.3 प्रतिशत जनसंख्या सेवा क्षेत्र में कार्यरत थी। जवकि भारत में यह प्रतिशत 45.7%, 25.4%, तथा 28.9%, था। इन तथ्यों से स्पष्ट है कि भारत की 25% तथा विश्व की 31% जनसंख्या औद्योगिक क्षेत्र में संलग्न है। अतः कोई भी क्षेत्र, प्रदेश या देश अपनी विकास प्रक्रिया में औद्योगिक क्षेत्र को नजर अंदाज नहीं कर सकता है। इसलिए जनपद फिरोजाबाद के विकास में औद्योगिक क्षेत्र की भूमिका की शूक्ष्म स्तरीय समीक्षा अति आवश्यक है।

शोध क्षेत्र में औद्योगिक अवस्थिति का प्रारूप (Pattern of Industrial Location in Research Area)

जनपद फिरोजाबाद का गठन 5 फरवरी 1989 को हुआ था। इससे पहले भी फिरोजाबाद नगर एवं उसके समीपवर्ती क्षेत्रों में कई प्रकार के उद्योग कार्यरत थे। परन्तु इस क्षेत्र में सबसे पहले कॉच उद्योग का विकास हुआ। कॉच उद्योग के अन्तर्गत चूड़ी उद्योग ने विशेष स्थान प्राप्त किया है चूंड़िया सुहाग का प्रतीक मानी जाती है। इसलिये फिरोजाबाद को सुहाग नगरी के नाम से भी जाना जाता है।

जनपद फिरोजाबाद के सम्पूर्ण क्षेत्र में उद्योग स्थापना समान रूप से नहीं हुई है। इसके अनेक सामाजिक, आर्थिक राजनीतिक एवं भौगोलिक कारण है। परिणामस्वरूप शोध क्षेत्र में तहसील एवं विकास खण्ड स्तर पर विकासात्मक भिन्नता पायी जाती है। किसी भी क्षेत्र में औद्योगिक विकास के सम्बन्ध में फ्रेंकोइस पेरॉक्स (Francois Peroux) का विकास ध्रुव सिद्धान्त (Growth Pole Theory) तथा अमेरिकी अर्थशास्त्री जॉन फ्रीडमेंन (John Friedman's) का केन्द्र–परिधि मॉडल (Centre Periphery Model) अधिक महत्वपूर्ण है। इन सिद्धान्तों का सार संक्षेप यह है कि किसी प्रदेश का विकास असन्तुलित रूप से होता है। क्यों कि सर्वप्रथम उद्योगों की स्थापना अनुकूल दशाओं (भूमि, पूँजी श्रम् यातायात, सुरक्षा बाजार आदि) वाले स्थान पर होती है। वहाँ से उद्योगों का विसरण बाहर की ओर होता है।

उपर्युक्त सैन्द्धान्तिक तथ्य जनपद फिरोजाबाद के क्षेत्रीय औद्योगिक वितरण प्रारूप की सटीक व्याख्या करते है। जनपद में सर्वप्रथम उद्योगों की स्थापना फिरोजाबाद नगर में हुई थी। जिनमें काँच उद्योग महत्वपूर्ण था। जब फिरोजाबाद नगर में अत्यधिक जनसंख्या, आवासों की कमी, अत्यधिक भूमि मूल्य, यातायात जाम, पर्यावरण प्रदूषण जैसी समस्याएँः उत्पन्न हुई तो उद्योगों का विसरण केन्द्रीय क्षेत्र से बाहर की ओर हुआ। इस विसरण प्रक्रिया में फिरोजाबाद के उप औद्योगिक नगर मक्खनपुर का विकास हुआ। परन्तु केन्द्र से परिधि की ओर जैसे–जैसे दूरी बढ़ती जाती है। वैसे–वैसे उद्योग एवं विकास सम्बन्धी सघनता घटती जाती है इस दृष्टि से देखा जाय तो फिरोजाबाद तहसील में सर्वाधिक 364 औद्योगिक इकाइयाँ है। इसके बाद शिकोहाबाद (68) तथा सिरसागंज तहसील (59) का स्थान आता है। सबसे कम पंजीकृत औद्योगिक इकाइयाँ (05) जसराना तहसील में है। जो जनपद मुख्यालय से सर्वाधिक दूरी पर स्थित है। जनपद फिरोजाबाद के विभिन्न उद्योगों एवं कार्यरत श्रमिकों को तहसील आधार पर निम्न सारणी द्वारा प्रदर्शित किया गया है।

<u>जनपद फिरोजाबाद में तहसीलवार औद्योगिक स्थितिः</u>

जनपद फिरोजाबाद की विभिन्न तहसीलों में स्थित औद्योगिक इकाइयॉ एवं कार्यरत श्रमिक :

	तहसील	फिरोजाबाद		टूण्डला		शिकोहााद		सिरसागंज		जसराना	
क्र0	औद्योगिक इकाइयॉ	NIU	W	NIU	W	NIU	W	NIU	W	NIU	W
1	काँच उद्योग	218	32334	-	-	-	-	-	-	01	48
2	पैट्रोल एवं सी.एन.जी. पम्प	17	402	01	20	13	260	01	20	02	40
3	निर्यातक इकाइयॉ	25	1549	01	500	-	-	01	20	-	-
4	ऑटोमोबाइल	14	607	-	-	01	20	-	-	-	-
5	रासायनिक उद्योग	05	448	-	-	03	47	-	-	-	-
6	विद्युत उपकरण	03	550	-	-	02	450	-	-	-	-
7	पैकिंग उद्योग	14	277	02	65	01	10	02	29	-	-
8	शीत गृह	08	350	08	400	23	1179	32	1292	01	50
9	अन्य	60	4087	06	165	25	865	24	920	01	20
	योग	**364**	**40604**	**18**	**1150**	**68**	**2831**	**59**	**2161**	**05**	**158**

स्रोत : श्रम विभाग, लेवर कॉलोनी फिरोजाबाद 2022–23

- व्यक्तिगत सर्वेक्षण

NIU= Number of Industrial Units.

W= Workers.

उद्योग एवं विकास में सम्बन्धः

उद्योग एवं विकास में सीधा सम्बन्ध पाया जाता है। इसलिए जिस क्षेत्र में जितनी अधिक औद्योगिक इकाइयों की स्थापना होती है उस क्षेत्र में विकास का स्तर उतना ही ऊँचा पाया जाता है। क्योंकि कृषि उत्पादन की अपेक्षा कम भूमि में औद्योगिक उत्पादन कई गुना ज्यादा होता है। जैसे जनपद फिरोजाबाद में प्रतिव्यक्ति औद्योगिक उत्पादन 2053583 रू0 है जबकि प्रतिव्यक्ति कृषि उत्पादन केवल 2451 रु० है। इसलिए फिरोजाबाद तहसील में औद्योगिक इकाइयां संख्या में अधिक है वहाँ पर प्रतिव्यक्ति उत्पादन भी अधिक पाया गया है। इसके विपरीत जसराना तहसील में औद्योगिक इकाइयों की संख्या सबसे कम है तो जसराना तहसील में प्रति व्यक्ति उत्पादन सबसे कम है। विकास के मापन हेतु प्रतिव्यक्ति उत्पादन को एक मापदण्ड के रूप में अपनाया जाता है। औद्योगिक इकाइयों के वितरण तथा विकास को तुलनात्मक रूप से निम्न सारणी द्वारा प्रदर्शित किया गया है।

औद्योगिक इकाइयों की संख्या तथा विकास का तहसीलवार तुलनात्मक अध्ययनः

क्रमांक	तहसील	औद्योगिक इकाइयॉं	प्रतिव्यक्ति उत्पादन (रूपये में)
1	फिरोजाबाद	364	208996
2	शिकोहाबाद	68	11012
3	सिरसागंज	59	10753
4	टूण्डला	18	8930
5	जसराना	05	3046

स्रोत– जिला सांख्यिकीय पत्रिका 2023 जनपद फिरोजाबाद

- व्यक्तिगत आगणन
- श्रम विभाग लेबर कालोनी फिरोजाबाद

उपर्युक्त सारणी के आधार पर किए गये तुलनात्मक अध्ययन से स्पष्ट होता है कि सर्वाधिक औद्योगिक इकाइयाँ (364) फिरोजाबाद तहसील में स्थित है। अतः फिरोजाबाद तहसील का प्रतिव्यक्ति उत्पादन (208996 रू०) सर्वाधिक है। जबकि जसराना तहसील में पंजीकृत औद्योगिक इकाइयां मात्र 05 है। अतः यहाँ प्रतिव्यक्ति औद्योगिक 3046 रु0 है। अतः स्पष्ट है कि उद्योगों का विकास प्रक्रिया पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

समस्या (Problem):

जनपद फिरोजाबाद में उद्योगों के असमान वितरण तथा उनके गैसीय, दृव एवं ठोस अपशिष्टों के अवैज्ञानिक निस्तारण के कारण अनेक समस्याएँ उत्पन्न हुई है। जिनमें ने कुछ प्रमुख समस्याएँ निम्नवर है। –

1. जनपद में क्षेत्रीय आर्थिक एवं शैक्षिक असमानता उत्पन्न हुई है। जिससे क्षेत्रवाद एवं जातिवाद को बढ़ावा मिला है।

2. फिरोजाबाद नगर तथा मक्खनपुर में पर्यावरण प्रदूषण की समस्या अत्यधिक गंभीर हो गयी है। वायु में Co-513 ppb (parts per billion) No_2 9ppb,O_3 - 12 ppb- आदि गैसों का बड़ा हुआ स्तर पाया गया है।

3. औद्योगिक अपशिष्टों के निस्तारण से यमुना का पानी दूषित हो गया है। UP- pollution control Board के october 2024 के Sample के अनुसार यमुना के जल का टीडीएस (Total dissolved - Solids) 638 ppm (parts per million) पाया गया। जो पीने योग्य जल के टीडीएस 50 से 150 ppm से काफी अधिक है।

4. जनपद में जल एवं वायु प्रदूषण के कारण अस्थमा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, कैंसर, गठिया, टाइफाइड, अवसाद जैसे रोगों में वृद्धि हुई है।

निस्कर्ष एवं सुझाव (Conclusion and suggestions):

यह शोधपत्र शुक्ष्म स्तर पर किया गया एक प्रतीकात्मक अध्ययन है। जिसमें समस्या समाधान हेतु कुछ सुझाव निम्नवत् प्रस्तुत है।

1. जिले की परिधि भूमि जैसे ऐका, अरॉव एवं मदनपुर ब्लॉक में भूमि और श्रम अपेक्षाकृत सस्ता हैं। अतः प्रशासन को इन क्षेत्रों में उद्योग स्थापना हेतु नये उद्यमियों को प्रोत्साहित करना चाहिए

2. जनपद के दक्षिणी भाग में यमुना के तटीय भाग में बीहड अधिक है। जहाँ पर एलोवेरा की कृषि के साथ वृक्षा रोपण किया जा सकता है। जिन पर आधारित दवा, रस्सी पत्तल एवं फर्नीचर उद्योग को बड़ावा दिया जा सकता है।

3. शिकोहाबाद, टूण्डला एवं सिरसागंज तहसील की भूमि कृषि हेतु अधिक उपयुक्त है अतः यहाँ पर चिप्स उद्योग के साथ सुअर पालन एवं पॉल्ट्री उद्योग स्थापित किए जा सकते है

4. विभिन्न उद्योगों से निकलने वाली गैसों के अवशोषण के लिए Wet Scrubbers तथा Electrostatic Precipitators का उपयोग किया जाना चाहिए।

सन्दर्भ सूची (Reference)

1– मौर्य एस.डी., आर्थिक भूगोल, प्रवालिका पब्लिकेशन प्रयागराज 2023

2– गौतम अलका, रस्तोगी सोनल, प्रथम संस्करण (2019) संसाधन भूगोल शारदा पुस्तक भवन प्रयागराज।

3– आर्थिकी 2020–21

4– जिला सांख्यिकीय पत्रिका 2023 जनपद फिरोजावाद

5– श्रम विभाग लेबर कालोनी फिरोजाबाद।

6– U.P. Pollution Control Board ki Regional office Suhag Nagar Firozabad.

7– चांदना आर. सी. प्रादेशिक नियोजन तथा विकास 2016, कल्याणी पब्लिशर्स नई दिल्ली।